Administrations should take measures to restrict the hours of employment at a stretch of running staff from "signing on" to "signing off" to ten hours, save in exceptional circumstances of unavoidable operational exigencies or of accidents, floods, emergencies, etc.

These instructions were modified in 1981 to clarify the exclusion of certain non-running periods.

In pursuance of the judgment of the Central Administrative Tribunal Madras Bench, Ernakulam, necessary hearing was given to the representative of all India Loco Running Staff Association present and representation submitted by them was duly considered by the competent authority and disposed off. The Railway Administration does not consider it necessary to change the present instructions.

दिल्ली परिवहन निगम की बस सेवाएं

883. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक :** क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में तीन मूर्ति और मोरी गेट के बीच रूट नं० 200 की बस सेवा हाल ही में रद्द कर दी गई है जिसके परिणामस्वरूप आम जनता और विद्यार्थियों को असुविधा हो रही है ;

(ख) यदि हां, तो इस रूट को रद्द करने के क्या कारण हैं और क्या इस रूट को फिर से शुरू करने का कोई विचार है ; और

(ग) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री राजेश पायलट) : (क) से (ग) रूटों को युक्तिसंगत बनाने के एक भाग के रूप में दिल्ली परिवहन निगम ने रूट संख्या 200 सहित ऐसे कुछ रूटों का प्रचालन रद्द कर दिया है जो अलाभकर थे और अन्य रूटों के समानान्तर चल रहे थे । इस क्षेत्र के यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए रूट संख्या 20 को अन्तर्राज्यीय बस टर्मिनल तक बढ़ा दिया गया है और उसे दो अधिक बसें लगाकर सुदृढ़ बना दिया गया है, इस प्रकार 28/56 मिनट के बजाए 16/32 मिनट करके सुधार किया गया है । इसके अलावा छात्र समुदाय की सुविधा के लिए कालेज प्राधिकारियों और छात्र प्रतिनिधियों के परामर्श से इस रूट पर चार विशेष ट्रिप सुलभ कराए गए हैं । रूट संख्या 200 की सेवाएं पुन: चालू करने का दिल्ली परिवहन निगम का अभी कोई प्रस्ताव नहीं है ।

Import of Locomotives

884. SHRI RAJNI RANJAN SAHU: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the locomotives recently imported by railways have been tested; and

(b) if so, the details of the performance thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

संसद भवन में शाकाहारी और मांसाहारी भोजन एक ही रसोईघर में बनाया जाना

885. **श्री संतोष बागड़ोदिया :** क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि संसद भवन स्थित रेलवे कैंटीन में शाकाहारी और मांसाहारी दोनों प्रकार का भोजन/व्यंजन एक ही रसोईघर में बनाया जाता है ;

(ख) क्या सरकार को इसके विरोध में कुछ संसद सदस्यों से ज्ञापन प्राप्त हुआ है ; यदि हां, तो उस पर क्या कार्यवाही की गई है ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) दोनों के लिए कक्ष एक है लेकिन निरामिष और समिष खंडों को लोहे की जाली द्वारा विभाजित किया गया है । इन दो खंडों के लिए अलग-अलग रसोइयों और अलग-अलग बतनों की व्यवस्था की गयी है ।

(ख) रेल मंत्रालय को कोई ऐसा अभ्यावेदन प्राप्त नहीं हुआ है ।

राजस्थान में परिवार नियोजन के लिये वित्तीय सहायता

886. **श्री संतोष बागड़ोदिया** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान राजस्थान को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के लिए दिये गये अनुदान का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है ; और

(ख) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान इस संबंध में अब तक क्या लक्ष्य प्राप्त किये गये हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) परिवार कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत राजस्थान राज्य को वर्ष 1985-86 के दौरान 2030.46 लाख रुपये, 1986-87 के दौरान 1803.20 लाख रुपये तथा 1987-88 के दौरान 2558.18 लाख रुपये दिए गए ।

(ख) विवरण उसबंध में देखा जा सकता है [देखिये परिशिष्ट CXLVI अनुबंध सं० 30] ।

दिल्ली में मच्छरों का प्रकोप

887. **श्री संतोष बागड़ोदिया** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कतिपय क्षेत्रों में (जैसे कि संसद सदस्यों के निवास स्थानों के आस-पास) मच्छरों के प्रकोप पर नियंत्रण पाने के लिए समय-समय पर मच्छरमार दवाइयों का छिड़काव किया जाता है ;

(ख) क्या दिल्ली के अन्य इलाकों में, जहां पर मच्छरों का काफी अधिक प्रकोप है, में भी इसी क्रम से दवाई का छिड़काव किया जाता है ;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(घ) सरकार द्वारा दिल्ली में मच्छरों के प्रकोप को रोकने के लिए क्या उपचारी उपाय किए गए हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) से (घ) मलेरिया और मच्छरों के प्रकोप को फैलाने के लिए आवश्यक उपाय दिल्ली प्रशासन के समग्र निर्देशन और देख-रेख में स्थानीय स्वास्थ्य प्राधिकारियों अर्थात् दिल्ली नगर निगम और नई दिल्ली नगर पालिका द्वारा किए जाते हैं ।

शहरी क्षेत्रों में लार्वारोधी उपाय जिनमें फेंथिअन टेमीफोस पायसोरिन तेल, मच्छर लार्वानाशी तेल आदि जैसे उपयुक्त लार्वानाशकों के द्वारा मच्छर प्रजनन स्रोतों को समाप्त करना भी शामिल है, साप्ताहिक आधार पर किए जाते हैं । इसके अतिरिक्त मेलेथियन टेक्नीकल से फॉगिंग आपरेशन भी किया जाता है, ग्रामीण क्षेत्रों और तटीय इलाकों में बी०एच०सी० के साथ कीटनाशकों का छिड़काव दिल्ली नगर निगम द्वारा किया जाता है । वर्ष के इस भाग में मच्छरों का बढ़ना स्वाभाविक है लेकिन मलेरिया फैलने का कोई खतरा नहीं है ।